पानी के साथ जीवों को भी ढोते हैं जहाज़

अधिकांश मालवाहक जहाज़ों को खाली होने पर अपनी स्थिरता बनाए रखने के लिए पानी भरकर ले जाना होता है। इस पानी को बैलास्ट कहते हैं। यह पानी वे समुद्र से ही भर लेते हैं। एक अनुमान के मुताबिक एक बड़ा जहाज़ बैलास्ट के रूप में 60,000 टन पानी भरता है। ऐसे सत्तर हज़ार जहाज़ साल भर में करीब 7 अरब टन पानी को एक जगह से दूसरी जगह ले जाते हैं। जब जहाज़ में माल लादा जाता है, तो इस बैलास्ट पानी को खाली कर दिया जाता है। यानी यह पानी दुनिया के किसी एक स्थान से भरकर किसी दूसरे स्थान पर फेंक दिया जाता है। यह कई बार खतरनाक होता है।

मसलन, उत्तरी अमेरिका का एक जहाज़ बॉस्फोरस तक गया और अपना बैलास्ट पानी वहां फेंक दिया। इस पानी के साथ जेली फिश भी बॉस्फोरस पहुंची। वहां पहुंचकर यह जेली फिश (*नेमियोप्सिस लाइडी*) पगला गई - इसने वहां के प्लवकों का भक्षण शुरू कर दिया और नतीजतन वहां की मछलियों की संख्या में ज़बर्दस्त गिरावट आई।

इसी प्रकार से बंगाल की खाड़ी से चले एक जहाज़ के बैलास्ट पानी के साथ हैज़ा की एक किस्म पेरू के समुद्र में पहुंच गई थी। हैज़ा की यह किस्म शेल फिश को संदूषित करती थी। लोगों ने शेल फिश खाई और हैज़ा की महामारी फैली जिसने पूरे लातिनी अमेरिका में 12,000 लोगों की जान ले ली।

अनुमान है कि किसी भी क्षण जहाज़ों में भरे बैलास्ट पानी में सजीवों की 7000 प्रजातियां होती हैं। ये प्रजातियां बीजों, बीजाणुओं, प्लवकों, बैक्टीरिया, तथा बड़े जीवों के अंडों व इल्लियों के रूप में हो सकती हैं। इकॉलॉजीविदों का मत है कि बाहरी प्रजातियां दुनिया में जैव विविधता के लिए दूसरा सबसे बड़ा खतरा है; पहला नंबर प्राकृतवासों के विनाश का है। और बैलास्ट पानी प्रजातियों को एक से दूसरी जगह ले जाने का सबसे प्रमुख तरीका है। इसी तरीके से युरोप के ज़ेब्रा मसेल्स उत्तरी अमेरिका की ग्रेट लेक्स में पहुंचे हैं, जहां इसकी वजह से सिंचाई की नहरों व पाइप लाइन्स को चोक होने से बचाने के लिए करोड़ों डॉलर खर्च करना पड़े थे।

आज स्थिति यह है कि ऐसी घटनाएं हर रोज़ हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की एक संधि के मुताबिक किसी भी जहाज़ को बैलास्ट पानी कहीं भी फेंकने से पहले उसमें मौजूद जीवों को मारना ज़रूरी है। मगर अधिकांश देशों ने इस संधि का अनुमोदन नहीं किया है। संभवतः मई में होने वाली इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गेनाइज़ेशन की बैठक में कई देश इस पर हस्ताक्षर करेंगे। ***(स्रोत फीचर्स)***

वर्ग पहेली 103 का हल

थॉ	म	स	कु	न	■	आ	ई	ना
■	न	■	■	स	घ	न	■	■
अ	■	लैं	■	■	रा	त	रा	नी
भि	■	गि	र	गि	ट	■	■	म
का	र	क	■	ब	■	सु	ब	ह
र	■	■	अ	न	सु	ना	■	की
क	ल	क	ल	■	■	र	■	म
■	■	प	सी	ना	■	■	ग	■
ति	व	ड़ा	■	प	रा	व	र्त	न